>

Title: Situation arising out of adulteration of food items in the country.

श्री शैलेन्द्र कुमार (कौशाम्बी): माननीय अध्यक्ष महोदया, आज मैं आपके माध्यम से बहुत गंभीर मामला इस सदन में उठाना चाहूंगा कि पूरे देश में खाद्य पदार्थों में जबर्दस्त मिलावट हो रही है। मानव जीवन को एक तरीके से खतरा उत्पन्न हो गया है। जैसा कि अभी रघुवंश प्रसाद जी ने भी अपने भाषण में कहा है। इधर खाद्य पदार्थों में मिलावट के गंभीर मामले समाचार पत्रों और टेलीविजन के माध्यम से प्रकाश में आए हैं। ो मानव जीवन के साथ एक तरीके से खिलवाड़ किया जा रहा है। आप अगर देखें तो खाद्य पदार्थों से सम्बन्धित रोजमर्रा में प्रयोग होने वाली वस्तुएं घी, तेल, दूध, दही, मसाले, सब्जियां, इन सभी चीजों में जबर्दस्त मिलावट हो रही है। अभी आगरा में बड़े पैमाने पर चर्बी और जानवरों की हड्डियों को बड़ी-बड़ी भट्टियां लगाकर, उसे गलाकर खाद्य पदार्थों में मिलाने का गोरखधंधा जबर्दस्त तरीके से चल रहा है। यह प्रकाश में भी आया है। इस कार्य के लिए न तो कोई लाइसेंस दिया गया है, न ही कोई अनुमति दी गयी है। जनपद के सभी आला अफसर इस गोरखधंधे में शामिल हैं। उत्तर प्रदेश सरकार के एक वरिष्ठ मंत्री भी इस धंधे में शामिल हैं। मामले की लीपपोती के लिए मजिस्ट्रेटी जांच के आदेश दिए गए हैं। जांच वही लोग कर रहे हैं जो इसमें शामिल हैं। मैं आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि अभी नागपुर में कनस्तरों में नकली दही भेजने का काम हो रहा है।

अध्यक्ष महोदया : आप केन्द्र सरकार से क्या चाहते हैं, वह कहिए और अपनी बात समाप्त कीजिए।

श्री शैलेन्द्र कुमार : महोदया, पानीपत में श्री शक्ति जनरल स्टोर पर नकली घी बरामद हुआ है। जयपुर में नकली मसाले बनाने की फैक्टरीज पकड़ी गई हैं। इसी तरह से आगरा में घी और गुड़ में मिलावट की शिकायतें मिल रही हैं। रेवाड़ी और कुरुक्षेत्र में में लाखों लीटर मिलावटी दूध पकड़ा गया है, जो दिल्ली तक सप्लाई होता है और मदर डेयरी तक में उसकी सप्लाई होती है।

अध्यक्ष महोदया: अब आप अपनी बात समाप्त करें।

श्री शैलेन्द्र कुमार : अध्यक्ष महोदया, मैं अपनी बात समाप्त ही कर रहा हूं। मैं जनहित से जुड़े इस पूरे मामले की सीबीआई से जांच कराए जाने की मांग करता हूं। मैं यह भी कहना चाहता हूं कि सरकार को इस सम्बन्ध में कोई ऐसा सख्त बिल लाना चाहिए, जिसमें मिलावट करने वालों को दस साल कठोर कारावास और भारी जुर्माने की व्यवस्था हो।